विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 08-04-2021

वर्ग सप्तम शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

संधि शब्द की व्युत्पत्ति :- सम् + डुधाञ् (धा) धातु = सन्धि "उपसर्गे धो: कि: " सूत्र से कि प्रत्यय करने पर 'सन्धि' शब्द निष्पन्न होता है।

सन्धि की परिभाषा - "वर्ण-सन्धानं सन्धिः" इस नियम के अनुसार दो वणों के मेल का सन्धि कहते हैं। अर्थात् कि दो वर्णों के मेल जो विकार उत्पन्न होता है उसे 'सन्धि' कहते हैं। वर्ण सन्धान को संधि कहते हैं।

जैसे-अ+ अ = आ यहाँ पर दो अ (अ+ अ) मिलकर 'आ' हो गया है, अतः इसे 'सन्धि' कहते हैं।

पाणिनीय परिभाषा "पर: सन्निकर्ष: संहिता" अर्थीत् वर्णों की निकटता को संहिता कहा जाता है।

प्रथम पद के अन्तिम वर्ण तथा द्वितीय पद के प्रथम वर्ण में सन्धि होती है। जैसे-उप के अ तथा इन्द्रः के इ को मिलाकर ए बना = उपेन्द्रः पद का निर्माण हुआ।